राज्यपाल सचिवालय, बिहार

(जन–सम्पर्क शाखा)

बिहार लोक भवन, पटना–800022

प्रेस–विज्ञप्ति

*संख्या–**182/2026***

विद्यार्थियों का भविष्य संवारना शिक्षकों की सबसे बड़ी जिम्मेदारी –राज्यपाल

पटना 13 सितम्बर, 2026 :– माननीय राज्यपाल लेफ्टिनेंट जनरल सय्यद अता हसनैन (सेवानिवृत्त) ने कहा कि शिक्षक का काम सिर्फ नौकरी करना नहीं, बल्कि विद्यार्थियों का भविष्य और समाज का निर्माण करना है। शिक्षक और विद्यार्थी का रिश्ता जीवनभर का होता है। इसलिए शिक्षकों को अपने आचरण और जिम्मेदारी का हमेशा ध्यान रखना चाहिए।

राज्यपाल ज्ञान भवन, पटना के बापू सभागार में राज्य के नवसृजित 211 डिग्री महाविद्यालयों में नवनियुक्त सहायक प्राध्यापकों के उन्मुखीकरण कार्यक्रम को संबोधित कर रहे थे। उन्होंने सभी नवनियुक्त शिक्षकों को बधाई देते हुए कहा कि एक महीने के भीतर लगभग 2400 शिक्षकों की नियुक्ति पूरी करना बड़ी उपलब्धि है। उन्होंने इस काम के लिए बिहार लोक भवन, उच्च शिक्षा विभाग और पूरी टीम की सराहना की।

उन्होंने कहा कि इस नियुक्ति प्रक्रिया से देशभर में बिहार की एक सकारात्मक तस्वीर सामने आई है। इससे यह संदेश गया है कि अच्छी योजना, टीमवर्क और मेहनत से बड़े काम भी कम समय में पूरे किए जा सकते हैं।

राज्यपाल ने शिक्षकों से कहा कि वे खुद को संविदाकर्मी न समझें, बल्कि इसे अपने करियर की एक नई शुरुआत मानें। उन्होंने कहा, "छोटी शुरुआत, बड़े ख्यालात" के साथ ईमानदारी से काम करने पर आगे बढ़ने के कई मौके मिलेंगे।

उन्होंने कहा कि शिक्षक को खुद भी लगातार पढ़ते और सीखते रहना चाहिए। विद्यार्थियों के सवालों से सीखना, रिसर्च करना और अपने ज्ञान को लगातार बढ़ाना एक अच्छे शिक्षक की पहचान है। आज के समय में शिक्षकों को तकनीक, इंटरनेट और आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस का सही और नैतिक इस्तेमाल भी सीखना चाहिए।

राज्यपाल ने नवनियुक्त शिक्षकों से ग्रामीण इलाकों में बने नए कॉलेजों में जाकर पूरी जिम्मेदारी से पढ़ाने की अपील की। उन्होंने कहा कि बिहार की असली तरक्की तभी होगी, जब छोटे शहरों, प्रखंडों और गाँवों के बच्चों को भी अच्छी शिक्षा मिले। उन्होंने उम्मीद जताई कि ये सभी शिक्षक पूरी मेहनत और ईमानदारी से काम करेंगे और बिहार की उच्च शिक्षा को आगे ले जाएँगे।

आगे पृष्ठ 2 पर.......

अपने सैन्य जीवन का अनुभव साझा करते हुए राज्यपाल ने कहा कि उन्होंने सेना में कई बार शिक्षक के रूप में भी काम किया है। वहाँ उन्होंने सीखा कि शिक्षक और विद्यार्थी का रिश्ता जिंदगी भर का होता है।

इस अवसर पर राज्यपाल के अपर मुख्य सचिव श्री दीपक कुमार सिंह, जय प्रकाश विश्वविद्यालय, छपरा के कुलपति प्रो० पी० के० वाजपेयी, पूर्णिया विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो० विवेकानंद सिंह, उच्च शिक्षा निदेशक प्रो० एन० के० अग्रवाल, पटना विश्वविद्यालय के पूर्व कुलपति प्रो० आर० बी० सिंह, राज्यपाल के शैक्षणिक सलाहकार प्रो० बी० के० त्रिपाठी, बिहार लोक भवन एवं उच्च शिक्षा विभाग के अधिकारीगण तथा नवनियुक्त सहायक प्राध्यापक एवं अन्य लोग उपस्थित थे।

....